an>

Title: Need to take steps to inculcate Nationalism among students in the country.

श्रीमती मीनाक्षी लेखी (नई दिल्ली) : अध्यक्ष महोदया, कल कारगिल दिवस था और इस दिन हम अपने शहीदों को याद करते हैं। इसी प्रकार से जेएनयू जैसी यूनीवर्सिटी के वाइस चांसलर ने मांग की कि मुझे अपने क्षेत्र में डिसप्ले के लिए एक टैंक दे दीजिए, तो उसे कुछ लोगों ने विवाद बना दिया।

अध्यक्ष महोदया, मुझे याद है कि मेरे बच्चे जिस स्कूल में पढ़ते थे, वहां पर एयरोप्लेन के मॉडल्स होते थे। वहां पुराने एयरोप्लेन रखे होते थे और स्कूल खत्म होने के बाद सब बच्चे उन हवाई जहाजों के आसपास खेलते रहते थे। जब वे बड़े हो गये, तो एयरफोर्स स्टेशन के जितने जहाज डिसप्ले पर हैं, वे उन्हें देखने आते हैं। इंडिया गेट के पास जो ट्रेनें खड़ी हैं, उन्हें देखने के लिए बच्चे उन पर चढ़ते हैं। जो राष्ट्रवाद की भावना है, वह राष्ट्र को समझने से ही प्राप्त होती है। इसमें जेएनयू जैसी यूनीवर्सिटी शायद एक प्रतिशत भी नहीं है, बहुत कम है और उसमें पढ़ने वाले बच्चों की संख्या भी कम है। यह यूनीवर्सिटी राष्ट्र के पैसे से चलायी जाती है। अगर वहां पर अलगाववाद के नारे लगते हैं या इस प्रकार के नारे लगते हैं कि भारत तेरे टुकड़े होंगे, तो मुझे लगता है कि कहीं न कहीं व्यवस्था और विचार मे गलती है। उस व्यवस्था और विचार को सुधारने के लिए कोई व्यक्ति विचार करता है, जो कि वहां के वाइस चांसलर हैं, तो वह राष्ट्रवाद का मुद्दा बना दिया जाता है। मुझे लगता है कि कुछ चीजें ऐसी होनी चाहिए, जैसे एक पुराना गाना है कि 'हम लाये हैं तूफान से किश्ती निकालकर, बच्चों इसे रखना संभाल के।' इस देश की संस्कृति, सभ्यता और वे शहीद, जो बार्डर सुरक्षित रखते हैं और जिसके कारण ये यूनीवर्सिटी चलती हैं, देश सुरक्षित है, उनका अपमान और अनादर इस देश की संसद और व्यवस्था बर्दाश्त नही करेगी। इसलिए इस देश के सैनिक, जो राष्ट्र, एकता, सौहार्द और शक्ति के प्रतीक है, उनके आदर और सत्कार में जो कुछ किया जा सकता है, वह किया जाना चाहिए। इस यूनीवर्सिटी के बच्चों को शपथ लेनी चाहिए कि हम रहें या न रहें मां, मगर तेरा वैभव, यानी भारतमाता, राष्ट्रीयता का वैभव अमर रहे। ऐसी यूनीवर्सिटी से भविष्य के नागरिक उत्पन्न हो, यही मेरी कामना है। जयहिन्द।

माननीय अध्यक्ष :

श्री रोड़मल नागर,

कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री आलोक संजर,

कुमारी शोभा कारान्दलाजे,

श्री नारणभाई काछड़िया,

श्री रमेन डेका,

श्री हरिओम सिंह राठौड़,

श्री अर्जुन लाल मीणा,

श्री चन्द्र प्रकाश जोशी,

श्री संजय धोत्रे,

श्री गोपाल शेट्टी,

श्रीमती जयश्रीबेन पटेल,

श्रीमती दर्शना विक्रम जरदोश,

श्रीमती रमा देवी,

श्रीमती ज्योति धुर्वे,

श्री लाखन लाल साहू,

डॉ. बंशीलाल महतो,

श्री विनोद लखमाशी चावड़ा,

श्री जनक राम,

श्री रामेश्वर तेली और

श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्रीमती मीनाक्षी लेखी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।